और चारे की किस्मों को उगाकर परती भूमि का वनीकरण करना है।

3. नदी घाटी परियोजनाओं में भूमि संरक्षण और बाढ़ प्रवण नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में समेकित जल-विभाजन प्रबन्ध संबंधी चालू केन्द्रीय प्रायोजित स्कीमों को कार्यान्वित किया जा रहा है। भूमि का कटाव रोकने के लि रेगिस्तानी क्षेत्रों में संरक्षण और वनीकरण का एक विशेष कार्यक्रम आरम्भ किया गया है।

4. बाढ़ नियंत्रण के लिए विधिवत कार्रवाई आरम्भ कर दी गई है। बाढ़ के संबंध में पूर्वानुमान और चेतावनी केन्द्रों के नेटवर्क की स्थापना से समय पर बाढ़ संबंधी चेतावनी देकर जन-जीवन की हानि को रोकने और सम्पत्ति को न्यूनतम क्षति होने देने के उद्देश्य से लोगों का वहां से हटाने में बड़ी सहायता मिली है। सातवीं योजना में 2.5 मिलियन हैक्टर पर बाढ़ सुरक्षा कार्य करने का प्रस्ताव है और इसके लिए 947.39 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं।

Pollution of Yamuna near Delhi

1100. SHRI KALPNATH RAI: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether any programmes have been drawn up for the prevention of pollution of waters of Yamuna river near Delhi caused by the flow of sewage and industrial wastes from the "nullahs' of the city; and

(b) if so, the details of funds provided for the purpose and the progress made so far in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI Z. R. ANSARI): (a) Yes, Sir.

(b) The total outlay for the Union Territory of Delhi during the Seventh Five Year Plan for urban sanitation is Rs. 140 23 crores.

The progress made so far in this regard is shown below:

1. Out of the 17 major drains falling into the river Yamuna (i) 7 drains have been totally intercepted; (ii) Sullage from 3 drains has been substantially trapped at source; and (iii) Oxidation pond treatment has been provided for discharge from 3 drains.

2. Capacity of existing sewage treatment plants and pumping stations has been augmented.

3. Branch sewers for diversion of waste waters away from the Yamuna have been laid.

दिल्ली क्षेत्र में नीम के पेड़ों का लगाया जाना

1101. **श्री भंवर लाल पंवार:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वन-रोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत नीम के पेड़ों के वृक्षारोपण में वृद्धि करने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए हैं या करने का प्रस्ताव है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जेड० आर० अन्सारी:): पर्यावरण तथा वन मंत्रालय ने दिल्ली प्रदेश सहित सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को सम्बोधित अपने परिपत्र में बनियन, ईमली, जामुन तथा बांस के अलावा नीम के पौधारोपण की सिफारिश की है।

राजस्थान में लगाए गए पेड़

1102. **श्री भंवर लाल पंवार:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1984-85, 1985-86 और 1986-87 के दौरान राजस्थान में कितने पेड़ लगाए गये;

(ख) इस राज्य में इस अवधि में लगाये गए पेड़ों में से कितने प्रतिशत पेड़ जीवित बचे हैं; और

(ग) राजस्थान में पेड़ों की उत्तर जीविता की प्रतिशतता को बढ़ाने के लिए

सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जैड० आर० अन्सारी): (क) राजस्थान राज्य सरकार द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार लगाए गए पौधों की संख्या इस प्रकार है :— (लाख पौधे)

1984-85 .	831.56
1985-86 . .	958
1986-87 . .	1341.03

(ख) और (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Cloth produced by NTC mills in Madhya Pradesh

1103. SHRI AJIT P. K. JOGI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what is the quantity of cloth produced by NTC mills in Madhya Pradesh during the last two years and what is the amount of loss suffered by the mills during these years;

(b) what are the reasons for the losses if any, and what steps are being taken to check it;

(c) whether Government have plans for modernisation and rationalisation of these mills; if so, what are the details thereof; and

(d) what is the present production capacity of these mills and how many of them are working at full capacity?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI RAM NIWAS MIRDHA): (a) The quantum of cloth produced and the amount of losses suffered by the mills under NTC (MP), during the last two years, are given below:—

Year	Production of cloth million metres)	Net loss (Rs. in crores)
1985-86 . .	126.88	(—) 8.37
1986-87 (Prov.) . .	100.83	(—) 22.14

(b) The major reasons for losses of the mills under NTC(MP) are as follows:—

(i) old and obsolete machinery in most of the mills;

(ii) increase in the prices of cotton and other inputs;

(iii) power-cut and high cost of captive power, resultin gin under-utilisation of installed capacity in various mills;

(iv) increase in cost of coal, fuel, and petroleum products etc.;

(v) increase in cost of dyes and chemicals;

(vi) wage increase on account of increased DA etc; and

(vii) excess labour force.

Some of the important steps being taken to improve the performance of mills under NTC (MP) are given below:

(i) strict review of the performance of Managers with reference to definite action plans;

(ii) review and strict control of various cost elements;

(iii) infusing better management in key decision-making posts;

(iv) improvement in product-mix and greater marketing efforts to achieve better sales realisation rates;

(v) strengthening of management information system for timely flow of information, effective review and decision-making;